भारत सरकार

Government of India

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय / Ministry of Agriculture & Farmers Welfare

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग / Department of Agriculture & Farmers Welfare

Calm
Caution
Threat
Danger

DESERT LOCUST SITUATION BULLETIN

Year 2024 / No. 03 **अवधि / Period 01-15 Feb. 2024**

LOCUST SITUATION : During the routine surveys, India (Scheduled Desert Area) found free from gregarious as well as Solitary locust activity during the 1st **fortnight of February 2024.** Total **110** nos. of spots were observed while conducting surveys which are plotted on the map.

टिड्डी की गतिविधियाँ : नियमित सर्वेक्षण के दौरान, भारत (अनुसूचित रेगिस्तानी क्षेत्र) **फ़रवरी 2024 के प्रथम पखवाड़े** के दौरान सामूहिक और एकल टिड्डियों की गतिविधि से मुक्त पाया गया। सर्वेक्षण करते समय कुल **110** स्थानो का अवलोकन किया गया, जिन्हें मानचित्र पर दर्शाया गया है।

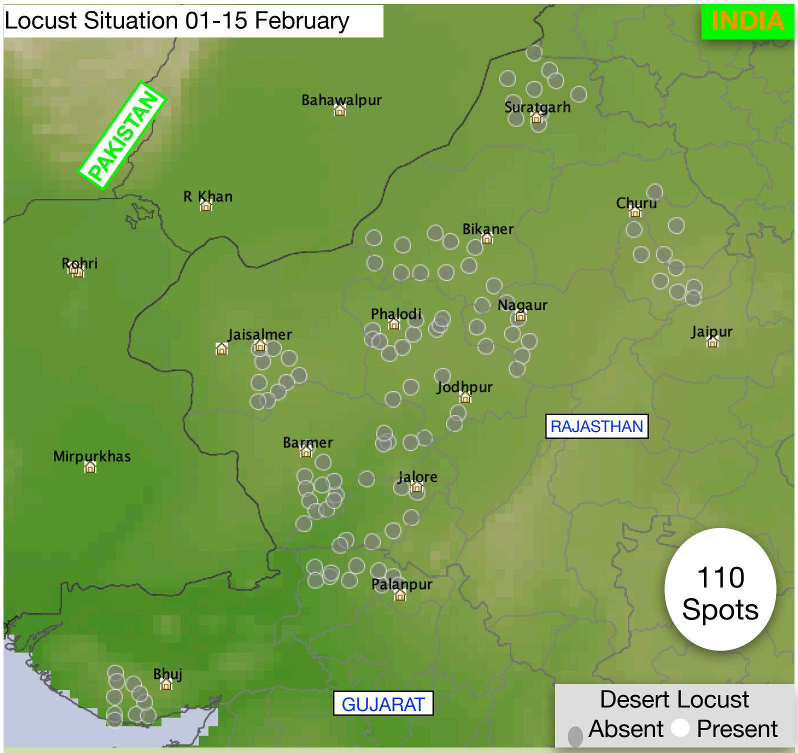

India is free from desert locust activities.

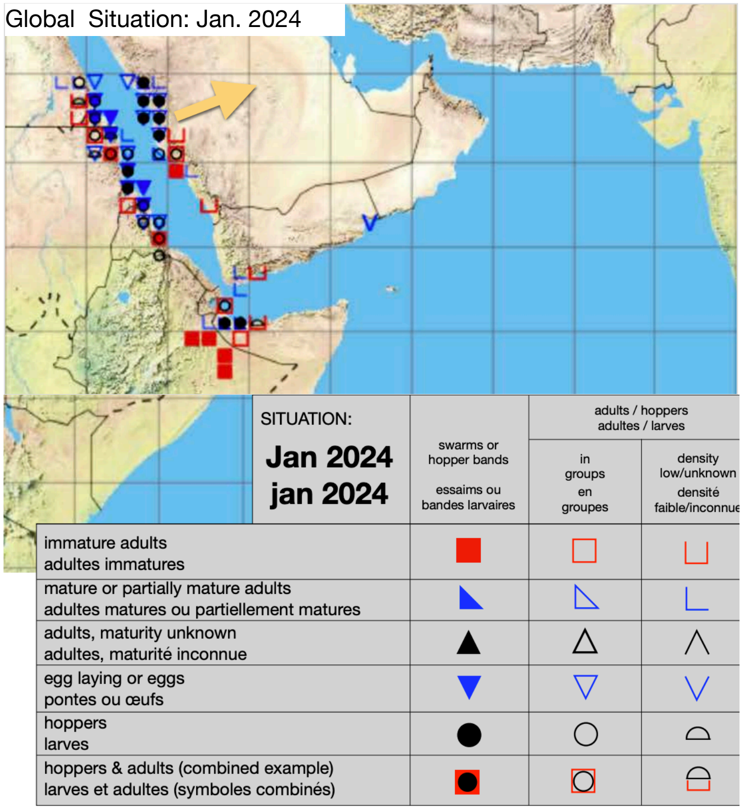

Swarm movement	:	Nil
Breeding	:	Nil
Hoppers	:	Nil
Solitary Isolated/ scattered mature/immature adults	:	Nil

WEATHER AND ECOLOGY : During the locust survey soil moisture was found to be dry at most of the survey locations, few spots of **Jodhpur**, **Suratgarh**, **Bikaner** and **Churu** found **wet** due to rain and vegetation was found to be green/dry in the scheduled desert area. Soil moisture and vegetation are shown in the map below.

मौसम एवं परिस्थितिकी : टिड्डी सर्वेक्षण के दौरान अधिकांश सर्वेक्षण स्थानों पर मिट्टी की नमी सूखी एवं **जोधपुर**, **सूरतगढ़**, **बीकानेर** और **चूरू** के कुछ स्थानों पर बारिश के कारण **नमी** पाई गई और अनुसूचित रेगिस्तानी क्षेत्र में वनस्पति हरी/ सूखी पाई गई। मिट्टी की नमी और वनस्पति को नीचे दिए गए मानचित्र में दिखाया गया है।

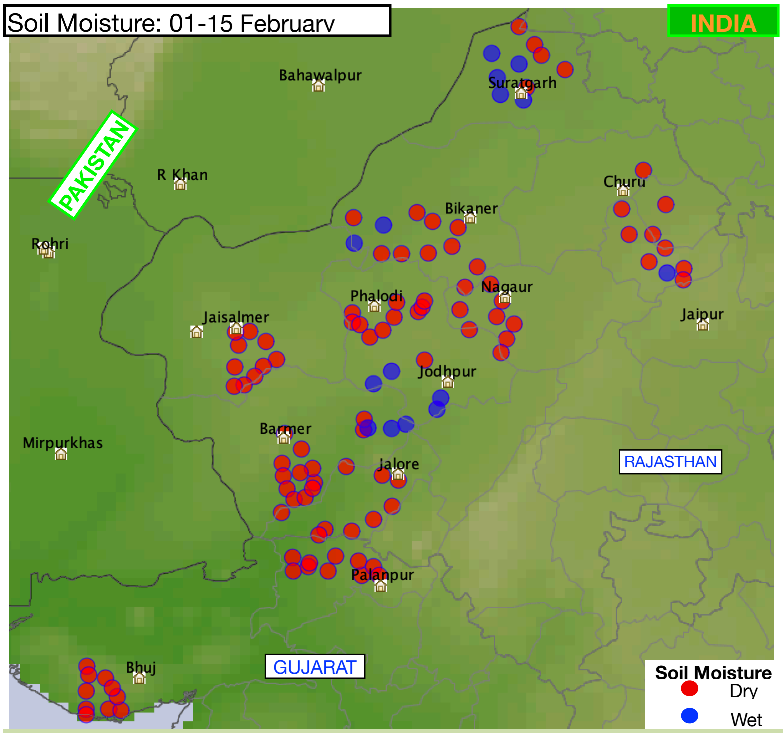

Soil moisture map.

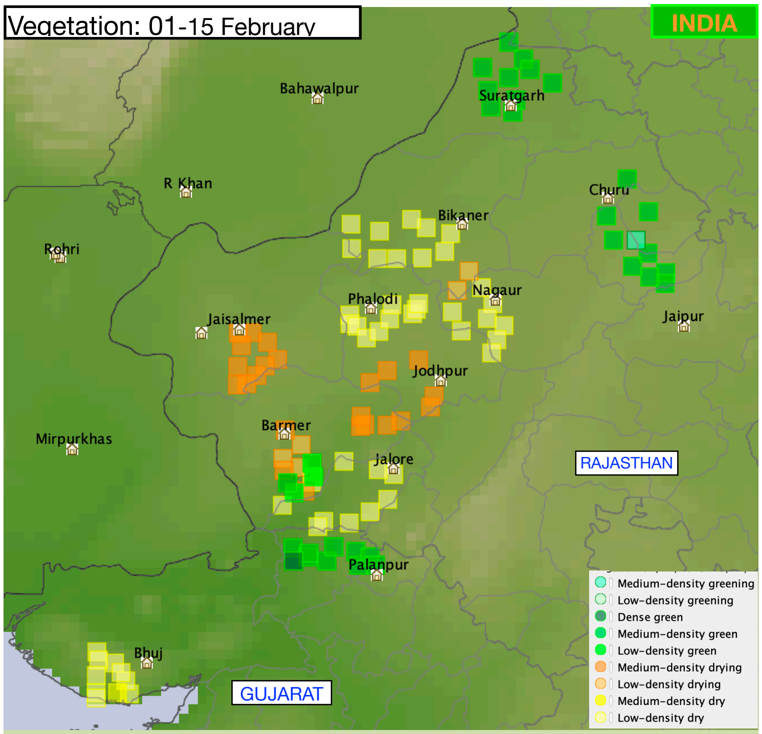

Vegetation was found green/ drying.

FAO Update (05 February): In the Central Region during January, five Desert Locust outbreaks along the coast of the Red Sea and Gulf of Aden. First winter generation continued with hopper groups, bands, adult groups, and small swarms that were treated by Aerial control done in Sudan and Ethiopia while Somalia used only bio pesticides. Adult groups copulated on the southeast coast of Yaman. The weather models indicate that locusts are likely to decrease because of control operations, diminished rainfall, and drying vegetation in March. In Western Regions light rainfall may allow spring breeding to start on a small scale in Algeria and Morocco.

South West Asia Commission (SWAC) : Situation is calm in Iran, Pakistan, India and Afghanistan.

Forecast (India) : The non-availability of even a solitary desert locust during the survey and the decline in monsoon indicate that there will be no locust activity in the coming fortnight. However, regular surveys are being continued to prevent any adverse situation.

एफ. ए. ओ. अपडेट (05 फ़रवरी): जनवरी के दौरान मध्य क्षेत्र में, लाल सागर और अदन की खाड़ी के तट पर रेगिस्तानी टिड्डियों के पाँच आक्रमण हुए। पहली शीतकालीन पीढ़ी हॉपर समूहों, बैंडों, वयस्क समूहों और छोटे झुंडों के साथ जारी रही जिनका नियंत्रण सूडान और इथियोपिया में हवाई नियंत्रण द्वारा किया गया जबकि सोमालिया में केवल जैव कीटनाशकों का उपयोग किया गया। यमन के दक्षिण-पूर्वी तट पर वयस्क समूहों ने मैथुन किया। मौसम मॉडल से संकेत मिलता है कि मार्च में नियंत्रण कार्यों, कम वर्षा और सूखने वाली वनस्पति के कारण टिड्डियों में कमी आने की संभावना है। पश्चिमी क्षेत्रों में हल्की वर्षा से अल्जीरिया और मोरक्को में छोटे पैमाने पर वसंत प्रजनन शुरू हो सकता है।

दक्षिण पश्चिम एशिया आयोग (एस.डब्ल्यू.ए.सी.) : ईरान, पाकिस्तान, भारत और अफ़गानिस्तान में स्थिति शांत है।

पूर्वानुमान (भारत): सर्वेक्षण के दौरान एकांकी रेगिस्तानी टिड्डे की भी अनुपलब्धता और मानसून में गिरावट से आने वाले पखवाड़े में टिड्डियों की गतिविधिया नही रहने का संकेत दे रही है। हालांकि, किसी भी प्रतिकूल स्थिति को रोकने के लिए नियमित सर्वेक्षण जारी रखा गया है।

Photographs taken by surveyors

Phalodi

Churu

Prepared by Locust Warning Organisation, Jodhpur (email : lwo-jod-rj@nic.in) & Issued by Plant Protection Adviser, Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage, N.H.IV, Faridabad. Phone : +91-129-2476354, Fax : +91-129-2412125 email : ppa@nic.in, @LocustIndia